मोहयाल मित्र

मोहयाल बालिका को उच्च शिक्षा देने का आह्वान

■ ***एस.एन. दत्ता,*** *(पूर्व-उपाध्यक्ष),जी.एम.एस.*

जनरल मोहयाल सभा मोहयाल बालक–बालिकाओं को सुशिक्षित करने के लिए आर्थिक सहयोग देती है। इसी नीति के अनुसार मैं एक मोहयाल लड़की की शिक्षा की पूरी जिम्मेदारी लेना चाहता हूँ। वह लड़की पहली से पाँचवीं कक्षा में पढ़ रही हो। उसके माता–पिता उसको शिक्षा दिलाने में असमर्थ हों। मेरी उस लड़की की प्राइमरी से उच्च शिक्षा तक का पूरा खर्च उठाने की इच्छा है।

मेरा लोकल मोहयाल सभाओं के पदाधिकारियों और सदस्यों से अनुरोध है, आप–अपने क्षेत्र में ऐसी मोहयाल लड़की की पहचान करें। उसकी पारिवारिक स्थिति की जानकारी दें। यह ध्यान रखें कि उसके माता–पिता लड़की को उच्च शिक्षा दिलाना चाहते हों।

जीवन में शिक्षा के माध्यम से ही आत्म निर्भर हुआ जा सकता है। शिक्षा सफलता के द्वार खोलती है। एक लड़की के सुशिक्षित होने का अर्थ एक पीढ़ी का सुशिक्षित होना है। आज की लड़की कल की माँ है। यदि लड़की आज पढ़ेगी तो युवा होकर अपना, अपने माता–पिता और विवाह के पश्चात के अपने परिवार के जीवन को शिक्षा दे सकेगी।

आपके द्वारा भेजे नामों पर विचार करके मैं स्वयं लड़की और उसके माता–पिता से मिलना चाहूँगा। मैं उस लड़की की उच्च शिक्षा तक का सारा खर्च उठा कर अपने आप को सौभाग्यशाली समझूँगा। कृपया अपने–अपने क्षेत्र में ऐसी लड़की का पता लगाएँ। गाँवों–शहरों में ऐसी मोहयाल लड़कियाँ होगीं जो उच्च शिक्षा के योग्य हैं।

मुझे आपके सहयोग की सख्त ज़रूरत है जिससे मैं अपने इस कार्य को पूरा कर सकूँगा, मेरा ऐसा विश्वास है कि मैं आपका आभारी रहूँगा। लड़की और परिवार की पूरी जानकारी, जी.एम.एस के पते पर भेजें–

मोहयाल फांउडेशन, *ए–9, कुतुब इंस्ट्यूशनल एरिया, यू.एस.ओ. रोड, जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110067*
फोनः 011-26560456, 26561504

मोहयाल विद्यार्थियों को बधाई

दसवीं और बारहवीं कक्षा के समस्त विद्यार्थियों को बधाई, जिन्होंने बोर्ड की परीक्षाएँ उत्तीर्ण की हैं। आपने दिन–रात एक करके जो परिश्रम किया था, उसके सुपरिणाम आपके सामने हैं। दसवीं कक्षा के विद्यार्थी अपने भविष्य को दृष्टिगत रखकर ग्यारहवीं के विषय चुनेंगे। अपनी रुचि के अनुसार ही विषय लें। आज के युग में प्रत्येक विषय का समान महत्व है। बारहवीं के पश्चात आप उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रवेश करेंगे। हमारी शुभकामनाएँ आपके साथ हैं।

आपके माता-पिता और अध्यापक-अध्यापिकाओं को भी बधाई जिनके मार्गदर्शन में आपने सफलता प्राप्त की है।

■ ***संयोजकः*** *प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान, जी.एम.एस.*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

शब्दों का महत्व

शब्द जितना छोटा है उतनी ही विशाल गरिमा अपने अंदर समाए बैठा है। शायद विशाल समुद्र की भांति जो अपने अंदर अनेक जीवों को जिसमें कुछ खतरनाक हैं तो कुछ चंचल तो कुछ मनमोह लेने वाले हैं। कहीं बहुमूल्य खजाना है तो कहीं बारिश की बूँदों से बना मोती जिसके सीप में गिरते ही कीमत बढ़ जाती है। समुद्र की गहराई जितनी सुंदर है उतनी खतरनाक है यह जीवन के दोनों पहलुओं के बारे में बताता है। उसी प्रकार शब्दों से भरा झोला भी हमें ऊपर भी ले जाता है और नीचे भी ले आता है।

इन शब्दों ने न जाने कितने इतिहास रच डालें, कितना वर्तमान रच रहे हैं। और कितना भविष्य रच डालेंगे। उदाहरण ले तो भगवत गीता, महाभारत, रामायण इत्यादि ग्रंथ यह शब्दों का ही मेल है जो आज भी आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। मोहयाल सभा द्वारा प्रकाशित की गई यह पत्रिका भी हमारी सोच, खुशी, दुःख या सूचना को अपने शब्दों की माला में पिरोकर हर महीने हमें एहसास दिला देता है कि मैं आप सबके साथ हूँ।

इन शब्दों का विवरण करना ही एक अलग अनुभूति प्रदान करता है क्या जादू है इन शब्दों जो अपनी ओर खींचते चले जाते हैं। अगर इन शब्दों में इतना ज्ञान इतना प्यार विकास है तो क्यों दूसरी ओर सिक्के का दूसरा पहूल देखने पर इतनी कड़वाहट दिखाई देती है। जहाँ लोगों को एक दूसरे के पास ले आता है और वही दूसरी ओर कोसों दूर नफरत की भावना में बदल देता है। हम शब्दों के लिए केवल लिखित तौर से ही नहीं जुड़े साथ वाणी भी जुड़ी है जो वाणी शब्दो के आने–जाने का रास्ता है। कहते हैं रास्ता जितना उबड़–खाबड़ वाला होगा, समय व कठिनाई उतनी ही लंबी होगी पर अगर रास्ता जितना सही होगा समय सरलता उतनी ही होगी। कहने को शब्दों का गलत होना वाणी पर भी असर डालता है। कई शब्दों की चोट शरीर की चोट से ज्यादा भारी होती है। शरीर की चोट सही होने में कम समय लगता पर मन पर हृदय पर लगी चोट आपको अंदर तक तोड़ जाती है अगर वाणी से निकले शब्द चाहे लिखित हो या मौखिक मीठे हैं तो क्या परिणाम होगा और अगर गलत और कड़वे हों तो क्या परिणाम निकलेगा आप खुद सोचकर देखिए। मुझे एहसास है कि आप अपनी कुछ अच्छी और गलत बातों में खो जाएँगे। लेकिन फिर आप सोचेंगे कि गलत शब्दों की भी तो एक सीमा होगी। मैं फिर कहूँगी कि क्या आपने गुलाब का फूल देखा कितना सुंदर है पर जब भी हम उसे गलत इरादा रखते हुए तोड़ने की इच्छा रखते हैं तो एकाएक चुभन का एहसास होता है। वह भी हमें यह बताना चाहता है कि जो खूबसूरती सीमा में रहकर उसे देखकर खुश रहने में है वह पल दो पल तोड़कर अपने पास रखने में नहीं इसी तरह वाणी में शब्दों का मिठास का तालमेल होना जरूरी है। कबीर कहते हैं–

ऐसी वाणी बोलिये, मन का आपा खोय।
और को सीतल कर आपहु शीतल होय।

अंत में मैं यही कहूँगी प्रकृति भी तालमेल बना कर चलती है तो क्या शब्दों व वाणी की मिठास के तालमेल को संजोकर नहीं रख सकते?

प्रिया बाली *(मो.) 9873992990*

माँ तुझे सलाम

माँ संवेदना है, भावना है, अहसास है।
माँ जीवन के फूलों में खुशबू का वास है।।
माँ रोते हुए बच्चे का खुशनुमा पलना है।
माँ मरूस्थल में नदी या मीठा सा झरना है।।
माँ लोरी है, गीत है, प्यारी सी थाप है।
माँ पूजा की थाली है, मंत्रों का जाप है।।
माँ आँखों का सिसकता हुआ किनारा है।
माँ गालों पर पप्पी है, ममता की धारा है।।
माँ झुलसते दिनों में, कोयल की बोली है।
माँ मेंहदी है, कुमकुम है, सिन्दूर है, रोली है।।
माँ त्याग है, तपस्या है, सेवा है।
माँ फूँक से ठंडा किया कलेवा है।।
माँ कलम है, दवात है, स्याही है।
माँ परमात्मा की स्वयं एक गवाही है।।
माँ अनुष्ठान है, साधना है जीवन का हवन है।
माँ जिन्दगी के मोहल्ले में आत्मा का भवन है।।
माँ चूड़ी वाले हाथों के, मजबूत कंधों का नाम है।
माँ काशी है, काबा है और चारों धाम है।।
माँ चिन्ता है, याद है, हिचकी है।
माँ बच्चे की चोट पर सिसकती है।।
माँ चूल्हा है, धुआ, रोटी और हाथों का छाला है।
माँ जीवन की कड़वाहट में अमृत का प्याला है।।
माँ पृथ्वी है, जगत है, धुरी है।
माँ बिना इस सृष्टि की कल्पना अधूरी है।।
माँ का महत्व दुनिया में कम हो नहीं सकता।
माँ जैसा दुनिया में कुछ हो नहीं सकता।।

*संकलन–**राजेश बाली,** सचिव एमएस प्रेमनगर, देहरादून*

दूसरों की रचनाएँ न भेजें

मोहयाल मित्र में छपने के लिए कई अन्य लेखकों, कवियों की रचनाएँ अपने नाम से भेजते हैं। उनमें अपनी ओर से कुछ बदलाव भी कर देते हैं। ऐसा करना नैतिकता के विरुद्ध है और कॉपीराइट का उल्लंघन भी है। इस विषय में शिकायतें मिली हैं। हम ऐसा करने वालों से अनुरोध करते हैं कि केवल अपना नाम छपवाने के मोह में ऐसा अनैतिक काम न करें।

कुछ अपने परिवार के लोगों के नाम से लिखकर अलग अलग रचनाएँ भेजते हैं। कृपया ऐसा न करें।

हम केवल उन्हीं रचनाओं को छापेंगे जिन पर पूरा नाम, पता, फोन नं. लिखा होगा। इसके साथ यह लिखकर भेजें– "यह मेरी मौलिक रचना है।" प्रत्येक रचना पर अपने हस्ताक्षर अवश्य करें।–संपादक

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

फरीदाबाद

मोहयाल सभा फरीदाबाद की मासिक बैठक 3 मई 2015 को मोहयाल भवन में श्री रमेश दत्ता जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 40 भाई–बहनों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के पश्चात, पहली बार बैठक में आए सदस्यों का श्री रमेश दत्ता जी ने धन्यावाद किया व आगे भी आते रहने के लिए प्रेरित किया।

रायज़ादा के.एस. बाली जी ने पिछले माह की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई व सभी को सूचित किया कि फरीदाबाद मोहयाल सभा ने अपनी क्रिकेट टीम बनाने का निर्णय किया है। उसके सम्बन्ध में युवाओं को मैसेज भी भेजे गए थे। श्री सुभाष वैद, श्री विनीत बक्शी व श्री हनी दत्ता टीम बनाने के लिए आगे आए। कमेटी ने इन को टीम तैयार करने का उत्तरदायित्व दिया। कई बच्चों ने टेलीफोन द्वारा अपना नाम सूची में दर्ज करवाया।

श्री रमेश दत्ता ने सदस्यों से अपील की कि मोहयाल आश्रम वृंदावन या हरिद्वार में कमरा बुक कराके जाएं और वहाँ के स्टाफ से दुर्व्यवहार न करें।

सदस्यों की बढ़ती संख्या को देखकर श्री बलराम दत्ता जी ने खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि चाहे क्रिकेट के बहाने ही सही, कम से कम हम युवाओं को एकत्रित करने में सफल तो हुए। साथ ही उन्होंने इस बात की भी प्रसन्नता जाहिर की कि वैसे तो फरीदाबाद मोहयाल सभा एक सक्रिय सभा के रूप में जानी जाती है परंतु इस बार जीएमएस ने श्री रमेश दत्ता को अपने प्रतिनिधि के रूप में जम्मू के मोहयाल मिलन में भेजकर सभा को और भी गौरवांतित कर दिया।

श्री राजेन्द्र मेहता जी ने सभी को थाइराइएड के बाबत महत्वपूर्ण जानकारी दी।

इस अवसर पर श्री मिथलेश दत्ता जी ने निम्न राशि एकत्र की– श्री आर.सी दत्ता 500 रु., श्री सतीश दत्ता व नरेश कुमार मेहता 100–100 रु., श्री रमेश दत्ता ने सूचित किया कि प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी सभा दसवीं व बारहवीं में 60 प्रतिशत व अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कृत करेगी। सभी छात्र अपनी मार्कशीट की फोटोकॉपी 5 जुलाई 2015 तक जमा कराए।

सभी ने स्वादिष्ट जलपान का आनंद लिया। अगली मासिक बैठक रविवार, 5 जुलाई 2015 को भवन में होगी।

रमेश दत्ता, *प्रधान* — *मो.: 9212557096*

रायज़ादा के.एस. बाली, *महासचिव* — *मो. 9899068573*

अंबाला छावनी

सभा की बैठक 3 मई 2015 को निवास स्थान श्री नरेश वैद, वरिष्ठ उप–प्रधान डिप्टी कमांडेंट पीआर मेहता जी अगुवाई में जिसमें 14 सदस्यों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण बाद सर्वप्रथम नेपाल में आए विनाशकारी भूकंप में मारे गए हजारों लोगों व इसमें पीड़ित लोगों के हालत पर चर्चा हुई। निम्नलिखित मोहयाल भाई बहन जो हाल ही में गुजर गए हैं तथा नेपाल में भूकंप में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

श्री सतीश मेहता (छिब्बर) का देहांत आज 3.05.2015 को हो गई वो 70 साल के थे तथा कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। वह स्व. गुलशन राय मेहता के चचरे भाई थे। उनका दाह संस्कार मंगलापुरी, नई दिल्ली में हुआ तथा उठाला 6.05.2015 को द्वारका, सेक्टर–21 दिल्ली में हुआ।

स्व. श्री रघुनाथ दत्ता जी निवासी सिमला (बराड़ा) का देहांत 17.04.2015 को हो गया।

श्रीमती कामनी बाली निवासी जालंधर का देहांत 30.03.15 को हो गया, वह श्री धर्मवीर बाली के नजदीक की रिश्तेदार थी।

पिछली मीटिंग की कार्यवाही श्री एमएल दत्ता जी ने पढ़कर सुनाई तथा सर्वसम्मति से अनुमोदन हुआ। तुरंत बाद में जीएमएस से प्राप्त पत्र जिसमें विधवा सहायता पाने वाली 45 वर्ष से कम आयु की महिलाऐं यदि कोई प्रोफैशनल कोर्स जैसा कि कंप्युटर, सिलाई या एजूकेशन कोर्स करके अपने पैरों पर खड़ा होकर अपने परिवार का निर्वाह करना चाहती है तो जीएमएस हर संभव आर्थिक सहायता करने को तैयार है। यह संदेश सब मोहयाल विधवाओं को दे दिया है।

लोकल सभा की रजिस्ट्रेशन रिन्युअल बारे एमएल दत्ता जी ने चर्चा कराई एचएफओ एमएल दत्ता ने इसके लाभ बताये परन्तु सभा के अधिकतर सदस्य का मानना था कि हमारी सभा जीएमएस के साथ एफ्लीइयेटड है इसलिए हरियाणा सरकार की शर्तों व पाचीदगियों से बचना बेहतर है। साथ ही इनकम टैक्स आफिसर अंबाला से संपर्क करके सदस्यों को अवगत कराया कि सभा का पैन नंबर तथा वार्षिक इनकम टैक्स रिटर्न भरने पर आपकी बैकं में एफडी पर पैसा न कटने का प्रावधान है। परन्तु इस सुझाव को भी सदस्यों ने टाल दिया।

स्वास्थ्य कामनाः प्रधान श्री आई.आर. छिब्बर का नी (घुटना) रिप्लेसमैंट 28.04.15 को इंडूज अस्पताल मोहयाली में हुई सर्जरी शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

जन्मदिनः सदन ने कमांडेंट पीआर मेहता जिनका जन्मदिन 14.05.2015, तथा एमएल दत्ता का जन्मदिन 15.05.2015 को अग्रिम बधाई तथा शुभकामनाएं दी।

वरिष्ठ उपप्रधान जी ने अगली बैठक अपने निवास स्थान पर करने का आग्रह किया।

दान राशिः पीआर मेहता 500 रु., एमएल दत्ता 200 रु. नरेश वैद, एमके वैद, एसके वैद, दीपक दत्ता, राकेश मेहता और डीके बाली जी इन सभी ने सौ–सौ रुपए सभा को भेंट किए। प्रधान जी ने वैद परिवार का आवभगत के लिए धन्यवाद करते हुए सभा समाप्त हुई।

एम.एल. दत्ता, *सचिव (मो.) 9896102843*

होशियारपुर (मोहयाल मिलन)

मोहयाल सभा होशियारपुर की ओर से बैशाखी के पर्व पर मोहयाल परिवार मिलन समारोह प्रधान श्री श्याम सुन्दर दत्ता की अध्यक्षता में मोहयाल भवन न्यू बैंक कालोनी ऊना रोड, होशियारपुर में बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने कार्यक्रम पेश किया तथा सभी मोहयाल भाई बहनों ने हवन यज्ञ करवाया तथा बाद में चाय पार्टी का आयोजन किया गया।

प्रधान जी ने कहा कि वैशाख की संक्रांति पर सूर्य उच्च राशि पर होता है, इसलिए इस दिन का हमारी संस्कृति में विशेष महत्व है। इस अवसर पर दिनेश दत्ता, मनोज दत्ता, विजयंत बाली, पवन मेहता, अश्विनी दत्ता, बरिन्द्र दत्त वैद, रविन्द्र दत्ता, अरविन्द मेहता, ओंकार बाली, शशीचन्द्र बाली, अनीता दत्ता, चन्द्रकान्ता दत्ता, अनु बाली, शशी बाली, पी.पी. मोहन तथा नरायणी दत्ता शामिल थे।

विजयंत बाली, मनोज दत्ता, *सचिव*

प्रेमनगर–देहरादून

सभा की मासिक बैठक 29.03.2015 को श्री तिलकराज बाली जी के आवास पर हुई। बैठक की अध्यक्षता माननीय प्रधान श्री डी.एन. दत्ता ने की। मोहयाल प्रार्थना के पश्चात बैठक की कार्यवाही आरम्भ की गई। गत माह की कार्यवाही सचिव श्री राजेश बाली ने पढ़कर सुनाई एवं आय–व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया, जिसका सभी ने अनुमोदन किया।

श्री सनातन धर्म मन्दिर, प्रेमनगर द्वारा रामनवमी के शुभ अवसर पर शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा के दौरान सभा की तरफ से प्रसाद के रूप में खीर वितरित की गई, जिसे श्री सनातन धर्म मंदिर समिति द्वारा सराहा गया और एक सफल प्रयास बताया। प्रसाद वितरण में श्री रमेश कुमार दत्ता, श्री डी.एन. दत्ता, श्री जे.एस. दत्ता, श्री राजेश बाली, श्री हर्षवीर मेहता, श्री बोनी बाली, श्री उदय दत्ता, श्री महेन्द्र दत्ता एवम् श्रीमती पूजा दत्ता इत्यादि का विशेष योगदान रहा।

श्रीमती प्रवीण बाली पत्नी स्व. श्री मोहन बाली की दयनीय स्थिति पर सभी ने अफसोस जाहिर किया और उनकी आर्थिक तंगी को देखते हुए उनकी मदद हेतु जीएमएस को आवेदन भेजने के लिए सर्वसम्मति जताई गई और उनके खुशहाल जीवन की कामना की। फिलहालए जब तक जीएमएस से संस्तुति नहीं आ जाती तब तक के लिए एमएस प्रेमनगर उनकी आर्थिक मदद करने का जिम्मा उठाएगी। इसके अतिरिक्त सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव अनुमोदित हुआ कि जिन निम्नलिखित जरूरतमंद महिलाओं को आर्थिक सहायता जीएमएस द्वारा दी जाती है, उन्हें यह सहायता नियमित रूप से इस वित्तीय वर्ष 2015–2016 में भी प्रदान की जाएः–

1. श्रीमती विद्यावन्ती बाली 2. श्रीमती बलवीर कौर दत्ता
3. श्रीमती माधवी दत्ता।

अन्त में सभी उपस्थित सदस्यों ने स्वादिष्ट भोजन के लिए श्रीमती पूजा बाली एवं तिलकराज बाली का हार्दिक धन्यवाद किया। श्री तिलकराज बाली ने सभा को 500 रुपए प्रदान किए।

■ सभा की मासिक बैठक 26.04.2015 को श्री एस.एम. वैद के आवास पर हुई। बैठक की अध्यक्षता माननीय वरिष्ठ उपप्रधान श्री मनमोहन बाली ने की। मोहयाल प्रार्थना के पश्चात बैठक की कार्यवाही आरम्भ की गई। गत माह की कार्यवाही सचिव श्री राजेश बाली ने पढ़कर सुनाई एवं आय–व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया, जिसका सभी ने अनुमोदन किया।

श्री रमेश दत्ता ने सुझाव दिया कि मोहयाल सभा,प्रेमनगर के अंतर्गत कनिष्ठ उपप्रधान श्री हर्षवीर मेहता तथा सचिव श्री राजेश बाली के नाम से एक संयुक्त खाता खोलें ताकि जो राशि दुःख भंजन कोष में है उसे सुचारू रूप से चलाया जा सके, सभी सदस्यों ने इस प्रस्ताव पर सहर्ष सहमति जताई। तीन जरूरतमंद महिलाओं को सभा की ओर से निर्धारित धनराशि चैक द्वारा प्रदान की गई तथा चौथी जरूरतमंद महिला श्रीमती प्रवीन बाली, पत्नी स्व. श्री मोहन बाली को भी सभा की तरफ से एक हजार रुपए की नकद धनराशि सहायता स्वरूप प्रदान की गई। श्रीमती प्रवीन बाली द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र को जीएमएस की स्वीकृति हेतु भेजा जा रहा है।

माह जून 2015 में होने वाले मोहयाल मिलन हेतु एक दो सदस्यीय कमेटी गठित की गई है, इस कमेटी में श्री हर्षवीर मेहता व श्रीमती नूतन शर्मा (लौ) प्रधानाचार्या (सेवानिवृत्त) श्री गुरूनानक गर्ल्स इंटर कॉलेज, प्रेमनगर होंगे।

अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने स्वादिष्ट भोजन से तृप्ति पर श्री एस.एम. वैद जी का हार्दिक धन्यवाद किया।

राजेश बाली, *सचिव (मो.) 9758135583*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

अबोहर (पंजाब)

दिनांक 8.04.2015 को सभा की मासिक बैठक मेहता अमरदीप भीमवाल जी के घर गाँव भंगर खेड़ा में चीफ पैट्रन मेहता कृष्ण कुमार भीमवाल जी की अध्यक्षता में हुई।

गायत्री वंदना व मोहयाल प्रार्थना के पश्चात स्व. श्री तारिश वैद जी के निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया। स्व. श्री तारिश वैद जी भटिण्डा के रहने वाले थे। वह अबोहर मोहयाल सभा के सक्रीय सदस्य थे। तथा समाज सेवी श्री सुरेन्द्र कुमार वैद जी के छोटे भाई थे। उनका 13.03.2015 को निधन हुआ। तथा 23.03.2015 को उनकी पगड़ी संपन्न हुई थी।

मोहयाल परिवारों के विद्यार्थियों के इस वर्ष परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने पर सभी मोहयाल विद्यार्थीयों को सभी ने आशीर्वाद दिया व उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रभु शुभकामनाएं दीं।

अन्त में शांति पाठ के साथ सभा सम्पन्न हुई। चाय–नाश्ता जल–पान व दोपहर के भोजन के लिए मो.स. के सभी सदस्यों ने मेहता अमरदीप भीमवाल एवं श्रीमती सोनू भीमवाल व भीमवाल परिवार का सभी बहुओं–बेटियों का धन्यवाद किया।

■ दिनांक 10.05.2015 को मो.स. अबोहर की मासिक बैठक मेहता प्रमोद कुमार भीमवाल जी के निवास स्थान गाँव भंगर खेड़ा में सम्पन्न हुई। मेहता कृष्ण कुमार भीमवाल जी चीफ पैट्रन मो.स. अबोहर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

गायत्री वंदना व मोहयाल प्रार्थना के बाद नेपाल तथा भारत में भूकंप की त्रासदी में मारे गए लोगों का श्रद्धाजंलि दी गई, तााि उनकी आत्मिक शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। सभी मोहयाल सदस्यों ने मेहता अमरदीप भीमवाल जी के स्वास्थ्य लाभ के लिए परमपिता परमात्मा जी से प्रार्थना की।

सभी सदस्यों ने मेहता प्रमोद कुमार भीमवाल जी एवम् श्रीमती ऊषा भीमवाल को उनकी सुपुत्री ख्वाहिश भीमवाल के डी.ए.वी. स्कूल में अपनी कक्षा में बहुत ही अच्छे अंक लेने तथा अपनी कक्षा में प्रथम आने पर बहुत–बहुत बधाईयाँ दी।

चीफ पैट्रन मेहता कृष्णा कुमार भीमवाल जी ने सूचित किया कि पिछले माह की मो.स. अबोहर जो कि श्री अमरदीप भीमवाल जी के घर गांव भंगर खेड़ा में सम्पन्न हुई थी, उस सभा में जो–जो प्रस्ताव रखे गए थे वे सभी प्रस्ताव प्रार्थना पत्र द्वारा जीएमएस को भेज दिए गए हैं।

अन्त में शांति पाठ के साथ सभा सम्पन्न हुई। चाय–नाश्ता जल–पान के लिए श्रीमती ऊषा भीमवाल का धन्यवाद किया।

मेहता विश्वामित्र भीमवाल, *प्रधान*
(मो.) 9780160085

बराड़ा

मोहयाल सभा बराड़ा की मासिक बैठक दिनांक 3.05.2015 को सभा के प्रधान स. हरदीप सिंह वैद जी की अध्यक्षता में मोहयाली प्रार्थना व गायत्री मन्त्रोच्चारण के बाद श्री रविन्द्र कुमार छिब्बर जी के निवास स्थान गुरदेव मौहल्ला में सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 10 भाई–बहनों ने भाग लिया। बैठक में विचार किया गया कि आपस में मेल–मिलाप बढ़ाने के लिए युवा वर्ग के आगे आना चाहिए।

अन्त में सभी सदस्यों ने जलपान के लिए श्री रविन्द्र कुमार छिब्बर जी का धन्यवाद किया।

रविन्द्र कुमार छिब्बर, *सेक्रेटरी*
(मो.) 09466213488

जगाधरी वर्कशाप

सभा की मासिक बैठक 3 मई 2015 को जंज घर मार्डन कालोनी आई.टी.आई. में सभा के प्रधान श्री सतपाल दत्ता जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 15 सदस्यों ने भाग लिया, मोहयाल प्रार्थना से सभा प्रारम्भ हुई।

सभा के सभी सदस्यों ने अपने–अपने विचार रखे। सभा के पदाधिकारी श्री मंगलसेन बाली वरिष्ठ सदस्य श्री पुरषोत्तम बाली एवं श्री अशोक मोहन जी ने सभा की सदस्यता बढ़ाने पर जोर दिया तथा यह निर्णय लिया गया कि घर–घर जाकर सभी मोहयालों को सदस्य बनाया जाए एवम् सभा में आने के लिए प्रेरित किया जाए।

श्री सुरेन्द्रनाथ छिब्बर मॉडल कॉलोनी निवासी ने अपने स्व. पिता जी की पुण्य–तिथि पर सभा को 250 रु. भेंट किए। अपनी धर्मपत्नी श्रीमती संतोष मेहता भीमवाल जी की पुण्य तिथि पर श्री जे.के. मेहता जी ने सभा को 250 रु. व 250 रु. जीएमएस को भेंट किए।

श्री रामेश चन्द लौ जी कैंप निवासी की हरियाणा बिजली बोर्ड से दिनांक 30.01.2015 को सेवा निर्वती के अवसर पर सभा को 251 रु. भेंट किए। सभा ने रामेश जी का धन्यवाद किया।

सभा की जून माह की बैठक दिनांक 7.06.2015 को जंज घर मार्ड्रन कालोनी यमुनानगर में होगी। सभा का समापन गायत्री मंत्र से हुआ।

62वीं पुण्य-तिथिः स्व. भाई मैया छिब्बर, करियाला, जिला–चकवाल (पाकिस्तान) अब जोगेन्द्र नगर, जिला मण्डी हिमाचल प्रदेश, की 62वीं पुण्य तिथि 23 अप्रैल पर उनके सुपुत्र सुरेन्द्रनाथ छिब्बर, मॉडल कालोनी ने अपने स्व. पिताजी की पुण्य–तिथि पर मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप को 250 रु. भेंट किए।

सेवा निर्वतीः श्री रामेश चन्द लौ जी जो कि हरियाणा बिजली बोर्ड यमुना नगर में सेवारत थे, दि. 30.01.2015 को 32 साल

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर 251 रु. जीएमएस को एवं 251 रु. एमएस जगाधरी वर्कशाप को भेंट किए। सभी सदस्यों ने श्री रामेशचन्द जी को बधाई दी है।

सुरेन्द्र मेहता, *महासचिव* ***एस.पी.,*** *सचिव*
मो.: 09355310880 *मो. 09729530102*

नजफगढ़-नई दिल्ली

श्री हर्ष दत्ता के निवास स्थान के आंगन रोशनपुरा में मोहयाल सभा नजफगढ़ में दिनांक 3.05.2015 को सभा के मोहयाल परिवारों का आपसी मिलन–दिवस मनाने के लिए वार्षिक आम बैठक का आयोजन किया जिसकी अध्यक्षता सभा के प्रधान कर्नल बी.के.एल छिब्बर (से.नि.) ने की। बैठक में लगभग 41 सदस्य उपस्थित हुए। अप्रैल माह की बैठक का अनुमोदन किया और अप्रैल मास की लेखे–जोखे का अनुमोदन किया।

प्रधान कर्नल छिब्बर ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। 1.04.15 के चुनाव से अब तक सभा के कार्यों को चलाने में और सभा को प्रगति की ओर सफलतापूर्वक ले जाने में सभा के सदस्यों विशेष रूप से कार्यकारिणी समिति के पूर्ण सहयोग के लिए प्रधान जी ने सभी का आभार प्रकट किया। प्रधान जी ने सभा की उन्नति एवं इसका मान सम्मान बढ़ाने किए गए कार्यों का विस्तार से उल्लेख किया।

प्रधान जी ने सदस्यों को सुझाव दिया कि हर वर्ष वे अपनी सभा और जीएमएस सदस्यता का स्वयं नवीनीकरण करा लिया करे। आपस में ताल–मेल बनाए रखे और एक दूसरे के सुख दुःख में भागीदार बनें। इन्होंने आशा की कि श्री शेरजंग बाली जी को भी आप सभी का पूर्ण सहयोग मिलेगा और श्री शेरजंग बाली जी भी अपना कार्य निस्वार्थ एवं निश्पक्ष रूप से सभा की उन्नति के लिए कार्य भली भांति पूरा करते रहेंगें।

अपने भाषण में नए मनोनीत प्रधान श्री शेरजंग बाली जी ने वार्षिक आम बैठक में पधारे। सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया और अश्वासन दिया, कि सदस्यों के सहयोग से ही वे सभा का कार्य भली भाँति पूरा कर पाएंगें। और निस्वार्थ रूप से ही कार्य करेंगे। कोई खास मुद्दा न होने का कारण सभा की बैठक समाप्त की और आपस में सभी परिवारों के सदस्य मिलकर भोजन का आनंद लिया।

जून 2015 की बैठक हर्ष दत्ता के घर पर होंगी। सभी सदस्यों से उपस्थित होने का निवेदन हैं।

हर्ष दत्ता, *सचिव (मो.) 9312174583*

जून माह के व्रत, त्योहार

1. दो जून–पूर्णिमा, कबीर जयंती 2. पाँच जून–संकष्टी गणेश चतुर्थी 3. दस जून–शीतल अष्टमी, काल अष्टमी 4. बारह जून–योगिनी एकादशी 5. सोलह जून–अमावस्या (अधिक मास आषाढ़) 6. चौबीस जून–दुर्गा अष्टमी 7. तीन जून से आषाढ़ मास संवत् 2072 आरंभ

पानीपत

सभा की मासिक बैठक 17 मई 2015 को प्रधान श्री कैलाश वैद जी की अध्यक्षता में श्री नरिंदर छिब्बर जी के थर्मल कॉलोनी स्थित निवास स्थान में सम्पन्न हुई। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री महामंत्र के उच्चारण के बाद निम्नलिखित सदस्यों के निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया–

डॉ लज्जा देवी मोहन की छोटी बहन श्रीमती जनक वैद के पति श्री पूर्णचंद वैद जी का नई दिल्ली में निधन हो गया था।

श्रीमती भागरानी दत्ता, धर्मपत्नी स्व. सतपाल दत्ता जी का गत दिवस यमुनानगर में निधन हो गया था।

नेपाल तथा बिहार में भूकंप के दौरान मारे गए हजारों लोगों को श्रद्धांजलि दी।

श्री बृजमोहन छिब्बर की धर्मपत्नी श्रीमती वीणा छिब्बर के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गयी। श्री राजिंदर दत्ता जी के शीघ्र ठीक होने की कामना की गई। श्री प्रह्लाद बाली जी के भी ठीक होने की कामना की गई। इसी प्रकार से प्रोफेसर नरेंदर वैद तथा श्री सुनील बाली जी की माताजी की भी जल्द से जल्द ठीक होने की प्रभु से कामना की गई।

श्रीमती प्रवीण मेहता ने बच्चों के रिश्ते–नातों में हो रही दिक्तों का जिक्र किया तथा इसके लिए सामूहिक प्रयास का सुझाव दिया। श्रीमती सुनीता मोहन ने सुझाव दिया कि जनवरी माह की मीटिंग के दौरान पूरे बारह महीनों की लाटरी निकाल कर मासिक मीटिंग के आयोजकों की लिस्ट बना दी जाए। मीटिंग में दो महत्वपूर्ण प्रस्ताव पास करके जीएमएस के पास भेजे गए।

श्री जितेंदर छिब्बर के बेटे का 11 मई को जन्मदिवस था उनके बधाई दी गई। श्री ऋत मोहन ने सदस्यों को जानकारी दी कि जो मोहयाल अपने बच्चों को आर्मी में भेजने को इच्छुक हैं वे जीएमएस द्वारा स्थापित बनाई जनरल बक्शी व कर्नल वैद की कमेटी की मार्गदर्शन के लिए सेवाएं ले सकते हैं।

अंत में शांति पाठ के साथ सभा संम्पन्न हुई। सभा आयोजन व जलपान की व्यवस्था के लिए श्रीमती अंजू छिब्बर व श्री नरिंदर छिब्बर का धन्यवाद किया गया।

नरिंदर छिब्बर, *सचिव (मो.) 9416412184*

आगरा

मोहयाल सभा आगरा की मासिक बैठक आज दिनांक 03.05.2015 को कार्यकारिणी सदस्य श्री रमेश वैद जी के निवास 53/6, बल्केश्वर कॉलोनी, आगरा पर संयोजक महोदय श्री कामरान दत्ता जी व अध्यक्ष सेवानिवृत्त कर्नल श्री ए.वी. मोहन जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 20 भाई–बहनों ने भाग लिया तथा अपने विचारों से सभा को संबोधित किया।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

सर्वप्रथम सभी उपस्थित भाई–बहनों ने नेपाल व भारत में आए भीषण भूचाल पर हुई जनहानि व विनाश पर दो मिनट का शोक रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

सभा के अंत में शांति पाठ सभा की सभी महिला कार्यकारिणी की सदस्यों व अध्यक्ष महोदय आदि के द्वारा करने के उपरांत गायत्री मंत्र का पाठ व जय मोहयाल के नारों के साथ सभा का समापन करने से पूर्व अध्यक्ष व संयोजक महोदय ने श्री रमेश वैद जी व उनके परिवार को, सभा में आए सभी भाई–बहनों को स्वागत सत्कार हेतु विशेष धन्यवाद दिया तथा अगली मासिक बैठक 07.06.2015 को सेवानिवृत्त कर्नल श्री ए. वी. मोहन अध्यक्ष जी के निवास स्थान– 68, मान बिहार, शमशाबाद रोड, आगरा पर समय सायं 5 बजे से 6 बजे तक होने की घोषणा की तथा सभी आए हुए भाई–बहनों को आने के लिए धन्यवाद दिया।

एस.पी. दत्ता, *सचिव (मो.) 09897455755*

वेस्ट ज़ोन-नई दिल्ली, हरिद्वार यात्रा

मोहयाल सभा (वेस्ट ज़ोन) जो काफी पुरानी सभा है व काफी लोगों से जुड़ी हुई है। इस सभा के सभी सदस्य आपस में मिल–जुल कर कार्य करते हैं। यहां का युवा पहले बहुत ज्यादा सक्रिय नहीं था, परन्तु अब श्री के.जी. मोहन व श्री चन्द्रशेखर छिब्बर युवाओं को सभा से जोड़ने के लिए काफी प्रयत्न कर रहे हैं।

सभी सदस्यों की सहमति से हरिद्वार जाने का प्रोग्राम बनाया। सभी सदस्य 24 अप्रैल 2015 रात को 10:30 बजे हरिद्वार के लिए रवाना हुए, और सुबह 5.00 बजे हरिद्वार पहुँचे व दिनचर्या से निवृत्त होकर हर–की–पौडी पर जाकर स्नान किया। उसके पश्चात कुछ सदस्यों ने आस–पास के मन्दिरों में दर्शन किए व कुछ सदस्यों ने मनसा देवी मन्दिर के भी दर्शन किए।

मन्दिरों में दर्शन करने के पश्चात हम सभी ने मोहयाल आश्रम की ओर प्रस्थान किया और वहां पर हम सुबह लगभग नौ बजे पहुँचे। वहाँ पर हमें वातानुकिलत कमरे उपलब्ध करवाए गए, जोकि हमारी सभा ने पहले से ही बुक करवा रखे थे। कुछ समय पश्चात हम सभी ने सुबह का नाश्ता भोजनालय में किया व उसके पश्चात कुछ आराम किया। उसी दिन सायं लगभग 4.30 बजे हमने गंगा आरती के लिए प्रस्थान किया। वहां हम लगभग सभी सदस्य श्रीगंगा आरती में सम्मिलित हुए और वहाँ पर श्रीगंगा आरती को देखने के लिए लोग भारी संख्या में उपस्थित थे। श्रीगंगा आरती का दृश्य मनमोहक था, उसी दिन श्रीगंगा माँ का जन्मदिवम भी था। उसके पश्चात हम सभी मोहयाल आश्रम पहुँचे व रात्रि का भोजन किया।

भोजन के पश्चात श्री के.जी. मोहन व श्री चन्द्रशेखर छिब्बर जी ने उन मोहयाल परिवारों से संपर्क किया, जो उस रात मोहयाल भवन में ठहरे हुए थे, और उनसे प्रार्थना की कि भोजन के पश्चात वह सभी मिलन–समारोह के लिए एकत्रित हो। खराब मौसम होने के कारण मिलन–समारोह पुस्तकालय में आयोजित किया गया। जिसमें सभी मोहयाल बहन–भाई सम्मिलित हुए। मोहयाल परिवार जो मोहाली, चंडीगढ़, सीतापुर, पुणे, जयपुर, मोगा, यमुनापार और महरौली से आए थे, उन सभी ने मिलन–समारोह में हिस्सा लिया व एक–दूसरे को अपना परिचय दिया और जानकारी एकत्रित की। कुछ परिवारों की आपस में रिश्तेदारी भी थी, सभी ने मोहयाल सभा वेस्ट ज़ोन के इस प्रयास की भूरि–भूरि प्रशंसा की। इस मिलन–समारोह में मोहयाल सभा वेस्ट ज़ोन की ओर से सभी सदस्यों का मुँह मीठा करवाया गया। सभी ने एक–दूसरे को मिलकर खुश हुए व एक–दूसरे को बुलाने का निमंत्रण भी दिया।

अगले दिन सुबह का नाश्ता करने के पश्चात लगभग सभी ने मन्दिर पावन धाम, श्रीकलश, माता वैष्णव देवी एवम् भारत माता मन्दिर के दर्शन किए। इसके पश्चात सभी ने भोजन किया व दिल्ली जाने के लिए रवाना हुए। सभी खुश थे व किसी को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा नहीं हुई। रात को देर होने की वजह से रात्री का भोजन भी करवाया गया जो काफी अच्छा था। सभी खुशी–खुशी दिल्ली पहुँचे सब यथा स्थान पहुँचे।

सभी सदस्य इस बात से प्रसन्न थे कि मोहयाल सभा वेस्ट ज़ोन ने सारा प्रबंध बड़ी कुशलता से किया था। जिसमें बस वातानुकलित थी व कमरे भी वातानुकलित थे। और सभी समय के भोजन का प्रबन्ध भी मोहयाल आश्रम के भोजनालय में किया गया था जो कि बहुत स्वादिष्ट था।

किरन वैद, *एम–60, शाम नगर, दिल्ली (मो.) 9873600404*

भूल सुधार

मोहयाल मित्र मई 2015 के अंक के पृष्ठ संख्या 28 पर जन्मदिन की बधाई के कॉलम में आखिरी पंक्ति में पूनम मेहता छिब्बर ने जी.एम.एस. को एक हज़ार एक रुपए भेंट किए। गलती से 100 रु. छप गया है।

मोहयाल मित्र में रचनाएँ भेजने के पश्चात् प्रकाशन के लिए दो माह तक प्रतिक्षा करें। इसके पश्चात् ही कार्यालय से संपर्क करें। कृपया समस्त रचनाएँ-रिपोर्ट साफ-साफ लिखें जिन्हें पढ़ा जा सके। पोस्ट कार्ड या छोटे-छोटे कागज के टुकड़ों पर लिखकर रचनाएँ न भेजें। ई-मेल से भेजी रचनाएँ और रिपोर्ट साफ-साफ लिख कर भेजें। नहीं तो छप नहीं पाएगी।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

श्रीमती स्वराज मैहता (छिब्बर) (राणी) का निधन

स्वर्गीय श्रीमती स्वराज मैहता छिब्बर जी का निधन उनके निवास स्थान राजपुरा टाऊन (पंजाब) में दिनांक 20.12.2014 को हुआ। उनकी रस्म–पगड़ी 23.12.2014 को राजपुरा टाऊन में सम्पन्न हुई। रस्म–पगड़ी के समय सभी मोहयाल बिरादरी एवम् मित्रगण, मोहयाल परिवार एकत्रित हुए। तथा मोहयाल सभा बराड़ा, लुधियाना, पानीपत तथा अबोहर से भी मो.स. के सदस्य आए।

स्व. श्रीमती स्वराज (राणी) धर्मपत्नी श्री राजेन्द्र राय छिब्बर, पुत्र वधु श्री अमृत राय जी छिब्बर एवम् श्रीमती सुशीला देवी खरिया जिला जेहलम (प. पाक) पौत्र वधु श्री दिलबाग राय जी छिब्बर एवम् श्रीमती दुर्गा देवी छिब्बर (खन्ना पंजाब) की स्व श्री खेल सिंह दत्ता एवम स्व. श्रीमती शान्ति देवी दत्ता हरिपुर हजारा दत्ता की सुपुत्री थी। अपने पीछे पुत्र राजेश (बोबी) नवीन सुपुत्र एवं पुत्र वधु गोपी तथा पोत्रियाँ गोरीशा व खुशी छोड़ गई है।

श्रीमती स्वराज छिब्बर एक धार्मिक महिला थी तथा सभी के सुख–दुःख में शामिल होती थी। इनके पति श्री राजेन्द्र राय छिब्बर ने जीएमएस के एजूकेशन फंड के लिए 250 रु. भेंट किए।–*मामाजी मेहता विश्वामित्र भीमवाल, प्रधान मो.स. अबोहर*

श्रीमती उर्मिल रानी का स्वर्गवास

स्वर्गीय श्रीमती उर्मिल रानी 12 जून 1936 को श्री गुरबचन सिंह बाली, पोस्ट मास्टर जनरल राजा बाजार रावलपिंडी (पाकिस्तान) के घर पैदा हुई। माता सांईदिती फूली नहीं समाई। सात बहनों की यह सबसे लाडली आठवीं संतान थी। उर्मिल जी की बुआ (रामरक्खी) जी की माता स्व. लक्ष्मी ने इनके पिता श्री गुरबचन सिंह बाली जिनके घर पर औलाद नहीं थी, उन्हें चार बेटों के जन्म का आशीर्वाद दिया। प्रभू ने इनके पिता को चार बेटे दिए। श्रीमती लक्ष्मी जी ने आर्शीवाद तो दिया, परन्तु साथ ही साथ यह वचन भी ले लिया कि एक पुत्र उन्हें देना होगा, परन्तु इस दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

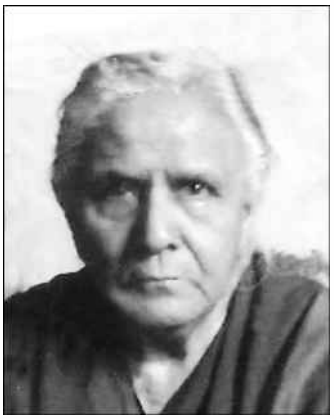

उर्मिल जी की बुआ श्रीमती रामरक्शी जो कि 13 वर्ष की आयु में ही श्री सीताराम मोहन के साथ ब्याही गई थी, 16 साल की उम्र में ही विधवा हो गई। वचनानुसार श्री गुरबचन सिंह बाली ने अपने सबसे छोटे पुत्र श्री राजवन्त सिंह बाली को रामरक्खी जी की गोद में डाल दिया, परन्तु राजवंत का मन वहीं नहीं लगा, अतः उनके स्थान पर 21 दिल की दूध पीती बच्ची उर्मिल को गोद दे दिया। जिनकी यही इकलौती संतान थी।

सारी उम्र अपने सगे बहन भाईयों से बिछुड़नें उपरान्त उर्मिल जी को यह मालुम न था कि बहन–भाईयों का प्यार क्या होता है। अभी 9–10 साल की उम्र थी कि देश का विभाजन हो गया। जिन गुडे–गुडिया को खेलते वक्त भाई–बहन कहती थी, सब वहीं रह गए और माता रामरक्खी सहित हिन्दुस्तान पहुँच गए। जिसकी कमी उनकी बाल सखियों श्रीमती सत्या सिक्का (निझावन) व बहन यशोदा मलिक जी ने पूर्ण की। न केवल स्वयं अपितु उन दोनों के परिवार ने उर्मिल जी व उनकी मातप रामरक्शी जी का हर प्रकार से सहयोग देने का बीड़ा उठाया। दोनों सखियों ने कलयुग में भी एक सखी का रिश्ता न बना कर बहन के रिश्ते को बरकरार रखते हुए एक बार फिर कृष्ण व सुदामा की मित्रता की याद दिला दिया जो कि आज तक बरकरार रखा हुआ है।

इस प्रकार दोनों परिवारों ने उर्मिल जी को अपनी औलाद से भी बढ़कर प्यार–दुलार दिया। जुम्मा–जुम्मा करके किसी प्रकार माता रामरक्खी ने उर्मिल जी को शिक्षा ग्रहण कराई। लाड़ प्यार से पली उर्मिल शादी के लायक हो गई। माता रामरक्खी ने उन्हें पढ़ाने में भी कोई कसर न छोड़ी और मुश्किलों से टीचर ट्रेनिंग जेबीटी कराया, जिसमें उनके छोटे भाई ने पूर्ण सहयोग दिया। जेबीटी के बाद उन्हें सरकारी स्कूल में अध्यापिका की नौकरी मिल गई।

एक दिन 7.12.1957 को माता ने अपनी लाडो का हाथ श्री लक्ष्मीनारायण छिब्बर के हाथ में सौंप दिया। 7.11.1958 को उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई, टीचर होने के कारण उन्हें बच्चे को साईकिल की टोकरे में रस्सियों से बांध कर साथ ले जाया करती थी। वहीं उसे दूध पीलाती थी। इस प्रकार सारी उम्र संघर्ष का जीवन व्यतीत करते हुए व साईकलिंग करने के कारण वह बीमार रहने लगी। रोटी–पानी की जगह दवा ही उनके जीवन की खुराक बन गई।

दिनांक 6.04.2015 जो कि उनके लिए एक काला दिवस साबित हुआ, जबकि उनकी हालत बुखार के कारण अत्यधिक बिगड़ गई और उन्हें दिल्ली के मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया, परन्तु 19.04.2015 को जीवन व मृत्यु से जूझती हुई, बिना अपने अरमान बताए काल का ग्रास बन गई। अन्त में प्रभु से हाथ जोड़कर विनती है कि उनकी आत्मा को शांति प्रदान करते हुए अपने चरणों में स्थान दें व बक्शी परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

विनय बक्शी (छिब्बर), *342, मोहल्ला कलां सोनीपत*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

श्री प्रकाशचंद बाली की तेरहवीं पुण्य-तिथि

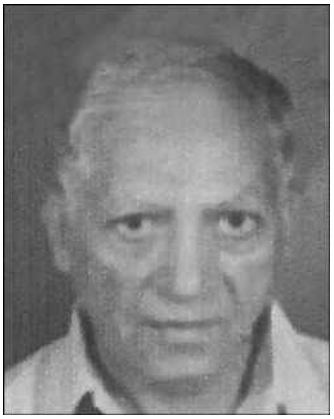

स्वर्गीय श्री प्रकाश चंद बाली सुपुत्र स्वर्गीय श्री सालिगराम बाली की तेरहवीं पुण्य–तिथि (26 अप्रैल 2015) के अवसर पर उनकी पत्नी श्रीमती सुशीला बाली व पुत्रों श्री रविकांत बाली, शशीकांत बाली, राजीव बाली, सुशेन बाली और संदीपन बाली की ओर से गरीब बच्चों के लिए 1100 रु. जीएमएस में भेंट कर रहे हैं। इनके नाम से वृंदावन आश्रम लंगर फंड और हरिद्वार आश्रम लंगर फंड के लिए ग्यारह–ग्यारह हज़ार पहले ही दे चुके हैं।–*रविकांत बाली, जी–11, गाँधी नगर, अजमेर (राजस्थान)*

श्री सीताराम बाली पुण्य-तिथि

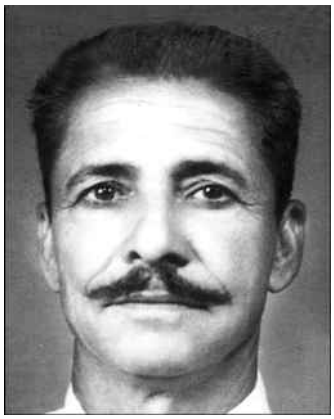

स्वर्गीय श्री सीताराम बाली (98) निवास स्थान 1041ए, वार्ड नं. 8, महरौली, नई दिल्ली का देहांत 10 मई 2014 को हुआ, उनकी पुण्य–तिथि 29 अप्रैल 2015 को मनाई गई। इस उपलक्ष में हवन करवाया और ब्राह्मण भोज हुआ। जिसमें उनकी पत्नी श्रीमती यशोदा बाली, बड़ा पुत्र श्री प्रेम कुमार बाली पुत्रवधु किरण बाली बच्चे प्रिया, उमंग, और छोटा पुत्र गुलशन बाली पुत्रवधु वर्षा बाली बच्चे सोनिया, भारती व अंकुर बाली के साथ श्री सीताराम बाली की पुत्रियाँ रंजना छिब्बर, दामाद कमल छिब्बर, मधु दत्ता और अनिता छिब्बर दामाद अनिल छिब्बर अन्य परिवारगण व मित्रगण उपस्थित थे।

सबने श्री सीताराम बाली की पुण्य–तिथि में एक–दूसरे का सहयोग दिया और उन्हें सप्रेम श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर परिवार ने 250 रुपए जीएमएस की शिक्षा संस्था (ट्रस्ट) में सादर पूर्वक भेंट किए।–*प्रिया बाली (मो. 9873992990)*

स्वर्गीय नेत्रप्रकाश दत्ता की प्रथम पुण्य-तिथि

स्व. नेत्रप्रकाश दत्ता (रिट.) कमाडेंट सी.आर.पी.एफ सुपुत्र स्व. मेहता मेहरचन्द दत्ता जी, माता स्व. श्रीमती वेद कुमारी का जन्म 13.08.1939 को अपने ननिहाल जोगेन्द्र नगर, जिला मण्डी (हि.प्र.) में हुआ था और देहांत 27.04.2014 को गुड़गाँव में हुआ। वह ईमानदार और दृढ़ इच्छा के व्यक्ति थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी नीलम (प्रेम कुमारी) पुत्र विशाल, पुत्रवधु गीतिका, लड़कियां–दामाद वैशाली रोहित, शैफाली, आंशुल बहिन सुदेश मेहता इलाहाबाद, भांजीयां रीता पत्नी प्रेम बक्शी पत्नी विक्रम मेहता, रीमी पत्नी अतुल बाली, पोता बेबो, पौत्री कोको। मामा सुरेन्द्रनाथ छिब्बर यमुनानगर, ममेरे भाई कर्नल तरुण पत्नी सपना, अरुण पत्नी मंजु, मासी कमला भीमवाल अबोहर मासी शकुन्तला बाली मासड़ ओमप्रकाश बाली, मौसेरे भाई विनोद, प्रमोद, रवि, शशी, सुशीला, अशोक, राजीपुर, मसेरी बहिनें साला प्रेम सागर, पत्नी सागर सब उनको याद करते हैं और उनकी आत्मा की शान्ति की प्रार्थना करते हैं। वह पाकिस्तान में बजवाला दत्ता जिला झेहलम के रहने वाले थे। परिवार ने जीएमएस के विधवा फण्ड में 500 रु. भेंट किए।–*विशाल दत्ता, ज्योति पार्क, गुड़गाँव, (मो.09891199142, 0124–6569384)*

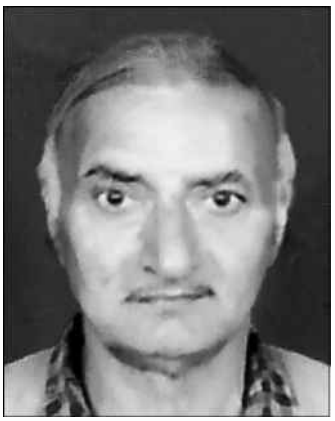

भाई मैयादास छिब्बर जी 62वीं पुण्य-तिथि

स्वर्गीय भाई मैयादास छिब्बर जी सुपुत्र स्व. भाई दिवानचंद छिब्बर जी माताजी स्व. दीवान दई (करियाला जिला चकवाल पाकिस्तान) का जन्म पाकिस्तान में हुआ और 1928 से जोगेन्द्रनगर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश में व्यापार करने चले गए। 23.04.1953 को उनका देहांत जोगेन्द्रनगर में हो गया। वह सामाजिक और दूसरों की सहायता करते थे। उनके सुपुत्र सुरेन्द्रनाथ छिब्बर पौत्र कर्नल तरुण पत्नी सपना, अरुण पत्नी मंजु, बलबीर, जोगेन्द्र, देवेन्द्र, पौत्री कृष्णा बड़ी बहु सोमादेवी लड़की कमला भीमवाल, शकुन्तला बाली दामाद ओमप्रकाश बाली, दोते, दोतियों सबने उनको याद किया और उनकी आत्मा के लिए शांति मांगी।

परिवार ने उनकी पुण्य–तिथि पर मोहयाल सभा यमुनानगर को मोहयाल भवन फंड में 1100 रुपए और 500 रु. जीएमएस की वृंदावन मोहयाल आश्रम के लिए तथा 250 रुपए मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप को भेंट किए।

सुरेन्द्रनाथ छिब्बर, *500 मॉडल कॉलोनी, यमुनानगर*
(मो.) 09728300992

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मेहता नरेन्द्रनाथ छिब्बर जी की 19वीं पुण्य-तिथि

स्वर्गीय नरेन्द्रनाथ छिब्बर जी सुपुत्र स्व. भाई मैयादास छिब्बर जी माता स्व. मैनावंती जी (करियाला, जिला चकवाल पाकिस्तान)

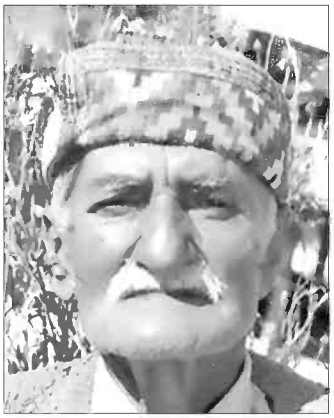

के यहाँ जन्म लिया। बाद में जोगेन्द्रनगर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश में अपने स्व. पिताजी के व्यापार में साथ दिया। उनका जन्म 2.04.1921 और देहांत 27.04.1996 को जोगेन्द्रनगर में हुआ। उनकी धर्मपत्नी सोमादेवी, सुपुत्र, बहुऐं बलबीर–मोहनी, जोगेन्द्र–सुरक्षा, देवेन्द्र बड़ी बहु चन्द्रलेखा, पुत्री कृष्णा, बहिन कमला भीमवाल, शकुन्तला बाली, बहनोई ओमप्रकाश बाली, भाई सुरेन्द्रनाथ छिब्बर यमुनानगर, भतीजे कर्नल तरुण पत्नी सपना, अरुण पत्नी मंजु, पौत्रियों, भांजे, भांजियों सबने उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। परिवार ने जीएमएस के विधवा फण्ड में 500 रुपए दान दिए।

बलबीर मेहता, *जोगेन्द्रनगर (हि.प्र.) (मो.) 09418653974*

कवि, कल्पना और कविता

कवि, कल्पना, और कविता, जब तीनों मिल जाते हैं,
तीनों की अच्छी निभती है, मिथुन राशि में आते हैं,
हास्य कवि की कविताओं पर, खूब तालियां बजती हैं,
हंसते–हंसते लोग सभी जब, लौट–पौट हो जाते हैं,
दिल का दर्द समझने वाले, दिल का दर्द समझते हैं,
मर्म स्पर्श कर लेते हैं वो, वाह–वाही ले जाते हैं।
कवि, कल्पना और कविता–
कुछ की सोच है कितनी गहरी, कहाँ कहाँ हो आते हैं,
धरती पर बैठे–बैठे ही, आसमान छू जाते हैं,
कुछ मधुशाला तक पहुँचे, कुछ मधुशाला के बीच खड़े,
कुछ आदी हैं पीने के, कुछ खाली जाम बजाते हैं।
कवि, कल्पना और कविता–
वीर रस के कवियों ने तो, शहीदों को सम्मान दिया है,
नया पुराना अब तक का, इतिहास वही दोहराते हैं,
कुछ भक्ती के भाव में रंग कर, सुन्दर भजन बनाते हैं,
भक्त उन्हीं की रचनाओं को, हर मंदिर में गाते हैं,
कवि वही होता है जिसको, दूजै बहुत सरहाते है,
जिनकी सोच है, सबसे गहरी, अमर वही हो जाते हैं।
कवि, कल्पना और कविता–

संजीव दत्त शर्मा, *गोहाना (हरियाणा)*
(मो.) 09812118104, 9728125204

मौसम

यही है मौसम की आशकी हाय,
प्रातः बगीचे में आपका साथ होना,
घास पर औंस की बूंदों का होना,
उन पर आपके साथ सैर करना,
याद दिलाता है अतीत के अनुभव।
यही है मौसम .....

इन भीगीं भीगीं पलकों में जिनमें,
मौसम की सभी यादें छुपी हैं,
साथ मोहब्बत की बातें छुपी हैं,
मौसम का सुहावना सफर कौन भूलेगा।
यही है मौसम .....

वसन्त ऋतु में उनका दुपट्टा देना,
मेरा घुंघट में शरमा कर मुस्कराना,
क्या मैं भूल पाऊँगी कभी इसे,
क्या यही है मौसम का अनुभव।
यही है मौसम .....

वर्षा ऋतु में पानी में भीगना साथ,
आपके हाथों का स्पर्श साथ–साथ,
एहसास दिलाता प्यार मोहब्बत की बात,
क्या मैं कभी भूल पाऊँगी इसे।।
यही है मौसम .....

श्रीमती कृष्णलता छिब्बर
सी–80, नीती बाग, नई दिल्ली

किताब का महत्व

जीवन का आधार है किताब,
जीवन का सार है किताब।

इसमें छिपा है सारा ज्ञान,
जीवन का मूल मंत्र है किताब।

हमें ज्ञान देती हैं किताब,
दुनिया की सैर कराती है किताब।

हमारा भविष्य बताती है किताब,
कैसे जान पाते हैं हम क्या है ज्ञान–विज्ञान।

जब भी अकेले बैठे रहते,
मित्र बन जाती है किताब।

सच्चे मन से पूजा करो,
तो मन्दिर बन जाती है किताब।

रवि बक्शी,
साईपादुका व राष्ट्र का मोह, सहारनपुर

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

12th PRATIBHASHALEE MOHYAL VIDYARTHEE SAMMAN – 2015

Classes Secondary (Class X) and Sr. Secondary (Class XII)

(Only for Mohyal Students)

Eligibilty: 80 percentage and above **Last Date: 31st August 2015**

1. Name: ..... (Caste– Bali, Bhimwal , Chhibber, Dutta, Lau, Mohan, Vaid)
2. Mother's Name: .....
3. Father's Name: ..... (Caste .....)
4. Date of Birth: ..... (Class passed .....)
5. Residential Address: .....

   .....

   Mobile No. ..... Phone No. .....

   E-mail: ....
6. Name and address of School: .....

   .....

7. Marks / Grades in Five compulsory subjects

Subject	Marks / Grades
1	
2	
3	
4	
5	
Total Marks	Percentage .....

....

Signature of student **Signature of Mother/Father/Guardian's**

Attach with Form:

1. Attested marks sheet - 2015 Examination
2. Three latest passport size colour photographs, (not in school uniform).
   Write Name, Address and Mobile No. on the back of the photograph.

Send Form at the following address:

Dr. Ashok Lav, Convenor, Pratibhashalee Mohyal Vidyarthee Samman, General Mohyal Sabha, A-9, Qutab Institutional Area, USO Road, Jeet Singh Marg, New Delhi-110067.
Ph.: 011-26560456, 26561504

(a) You can send forms also through Local Mohyal Sabhas.

(b) Only Mohyal Students with caste– Bali, Bhimwal, Chhibber, Dutta, Lau, Mohan, Vaid are eligible.

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor